Meera, better known as Mirabai and venerated as Sant Meerabai, was a 16th-century Hindu mystic poet and devotee of Krishna. She is a celebrated Bhakti saint, particularly in the North Indian Hindu tradition. Mirabai was born into a Rajput royal family in Kudki, Pali district, Rajasthan, Mira then spent her childhood in Merta, Rajasthan. Most legends about Mirabai mention her fearless disregard for social and family conventions, her devotion to Krishna, her treating Krishna as her husband and being persecuted by her in-laws for her religious devotion. Meera's poems are lyrical padas (metric verses) in Rajasthani language.

POINTS TO REMEMBER

मीराबाई का जन्म जोधपुर के चोकड़ी (कुड़की) गाँव में 1503 में हुआ माना जाता है |

13 वर्ष की उम्र में मेवाड़ के महाराणा सांगा के कुँवर भोजराज से उनका विवाह हुआ |

भौतिक जीवन से निराश होकर वृंदावन में निवास करने लगी |

वह पूरी तरह गिरिधर गोपाल कृष्ण के प्रति समर्पित हो गई |

संत रैदास ही शिष्या थी |

मीरा हिन्दी और गुजराती दोनों की कवयित्री मानी जाती है |

मीरा के पदों की भाषा में राजस्थानी, ब्रज और गुजराती का मिश्रण पाया जाता है |

Pehla Pad

(1)- हरि आप हरो जन री भीर।
द्रोपदी री लाज राखी, आप बढ़ायो चीर।
भगत कारण रूप नरहरि, धरयो आप सरीर।
बूढ़तो गजराज राख्यो , काटी कुण्जर पीर।
दासी मीराँ लाल गिरधर , हरो म्हारी भीर।

In this पद Meera Bai prays to Lord Krishna and requests him to remove all her difficulties.

Lord Krishna you remove the difficulties of people. आप हरो जन री भीर

Giving examples of how Krishna has helped the people, Meera continues ..

You saved Draupadi from being humiliated. You enlarged the saree चीर बढ़ायो as it was disroped from her body. Thus you saved her from shame. लाज राखी .Giving another example, Meera tells you took the form of Narasimha (Body of half man and half lion) to protect your devotee Prahlad.

You saved the life of a lion which was captured by a crocodile.

Oh Lord Krishna I am your slave . please help me and remove my difficulties.

Brainbox learn easy

Doosra Pad:

(2)- स्याम म्हाने चाकर राखो जी,
गिरधारी लाला म्हाँने चाकर राखोजी।
चाकर रहस्यूँ बाग लगास्यूँ नित उठ दरसण पास्यूँ।
बिन्दरावन री कुंज गली में , गोविन्द लीला गास्यूँ।
चाकरी में दरसण पास्यूँ , सुमरण पास्यूँ खरची।
भाव भगती जागीरी पास्यूँ , तीनू बाताँ सरसी।

In this stanza Meera Bai requests Krishna to keep her as his servant.

Meera addresses Krishna as GIRIDHARI LALA. She requests to be kept as a servant.

What will she do as a Servant?

Meera tells that if she is kept as a servant of Krishna, she will maintain the garden in front of Krishna's house and in this way she can have the darshan of Lord Krishna every day.

Not only this, she will sing in praise of Krishna in the narrow lanes of Vrindavan.

She will not only have darshan of the Lord but also she will be reciting the name of the Lord.

जब वे नौकर बनकर सुबह-सुबह बागबानी करेंगी, तो इसी बहाने उन्हें कृष्ण के दर्शन हो जाएँगे। वृंदावन की तंग गलियों में वे गोविंद की लीला गाते हुए फिरेंगी। इस नौकरी में उन्हें वो सबकुछ मिलेगा, जिसकी उन्हें जन्मों से चाहती थी। उन्हें खर्च करने के लिए श्री कृष्ण के दर्शन एवं स्मरण मिलेंगे तथा उन्हें भाव एवं भक्ति की ऐसी जागीर मिलेगी, जो सदा उनके पास ही रह जाएगी।

3) मोर मुगट पीताम्बर सौहे , गल वैजन्ती माला।
बिन्दरावन में धेनु चरावे , मोहन मुरली वाला।
ऊँचा ऊँचा महल बनावँ बिच बिच राखूँ बारी।
साँवरिया रा दरसण पास्यूँ , पहर कुसुम्बी साड़ी।
आधी रात प्रभु दरसण , दीज्यो जमनाजी रे तीरा।
मीराँ रा प्रभु गिरधर नागर , हिवड़ो घणो अधीरा।

Brainbox learn easy

Here in this पद Meerabai describes Lord Krishna.

मोर मुगट Peacock feather as a Crown.

पीताम्बर सौहे Wearing a yellow dress.

गल वैजन्ती माला। Having a garland made of Vaijayanati flower over the neck

बिन्दरावन में धेनु चरावे He grazes cow in Vrindavan

मोहन मुरली वाला। One who plays the flute.

मीरा कहती है कि मैं बगीचों के बिच ही ऊँचे ऊँचे महल बनाउंगी और कुसुम्बी साड़ी पहन कर अपने प्रिय के दर्शन करुँगी अर्थात श्री कृष्ण के दर्शन के लिए साज श्रृंगार करुँगी I will make tall palaces in the middle of the garden. I will be wearing red saree to have the darshan of Lord Krishna.

मीरा कहती हैं कि हे !मेरे प्रभु गिरधर स्वामी मेरा मन आपके दर्शन के लिए इतना बेचैन है कि वह सुबह का इन्तजार नहीं कर सकता। मीरा चाहती है की श्री कृष्ण आधी रात को ही जमुना नदी के किनारे उसे दर्शन दे दें।

Meera cannot wait for more. She wants to meet Krishna in the midnight on the banks of the river Jamuna.

Brainbox learn easy